वृक्ष गीत

हे वृक्ष
तुम कहां से आए हो,
मेरे आंगन में उगे हो,
तुम ऊपरी जगह में कैसे पले हो,
मुझे भी तरीका सीखा दे,
अगर तुम मेरी बात मानो।

हे वृक्ष
तुम्हारी जड़ें बुद्धिमान,
भागें जल की ओर,

हे वृक्ष
तुम्हारी डाल निराली,
सूरज का साथ मांगे,
जब तुम्हारे पत्ते झड़ते,
तब तुम क्या करते हो?

जब तुम्हारे पत्ते आते,
क्या तुम हरा गीत गाते हो,
जब तुम पर फूल फल आते,
नए सवेरे की ओर चलें,
चाहतें भी साथ चलें,
ओ बंदेया रे।

- *Translation: Karman Singh & Harpreet Kour*